चलो मनवा वो मोहन जहाँ मिले | By C.S. Sharma Lahari

चलो मनवा वो मोहन जहाँ मिले
लगा ले मुझे गले
चलो मनवा वो मोहन जहाँ मिले

गोकुल बिंद्रावन या खाटू कहीं तो होगा
छइयां कदम के नीचे या यमुना तट होगा
थाम ले हाथ वो इक बार जो निगाह मिले
चलो मनवा वो मोहन जहाँ मिले

वो मुरलीधर मोहन बांके मेरे बिहारी
कब आएंगे आँखें रोने लगी हमारी
चल चलें हो शुरू मिलने के ये सिलसिले
चलो मनवा वो मोहन जहाँ मिले

लेहरी छूटे ना ये दिल की लगी कन्हैया
होगा इक दिन होगा मैं झुमु तेरी बइयाँ
वो समा दे मुझे गुलशन भी मेरा खिले
चलो मनवा वो मोहन जहाँ मिले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%b5%e0%a4%be-%e0%a4%b5%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%a8-%e0%a4%9c%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a5%87-by/